

आशा बसु कवि

2596

ASHA ARCHIVES

आशा कृष्णाय
2596

ASHA ARCHIVES

वदमय । श्रीमन्मन्त्रस्य प्रमाणं
रुद्रसाक्षात् ॥ भगवन्नामोस्तुते ॥

दिया ॥ उँ वं नारि ॥ हं यो नमः ॥ ऊँ मां मूज्व ॥ ऊँ किं कया नमः ॥ ऊँ
ऊँ च सया नमः ॥ रुद्र ॥ धृति वरुवा ना दिया ॥
उँ मन्त्रि पक्षे इः सर्वं तु लागतु धातु विरु रिव न अरिव न अधि स्ति
न इ ॥ रुद्र ॥ उँ प्राप्ता गा का ताप्ति प्राप्ता धा प्रा क नि प्राप्ता इ रुद्रः
आका का मा ना वांते इः कल्याण वा मा ना स्वा प्राप्ता इ रुद्रः
रुद्रः उँ ता न तु ता न ॥ स्वस्त्य तु नै त्याह

उँ ऊँ सर्वं गथा गमः मदार्या गत्य त्रिऊँ रुद्र ॥ भि न वा ला द उया
ऊँ ऊँ मस्त मायाः स न सुगिनम ॥ स न सुगिनया ॥ ॥ उँ आदम ऊँ
स्वादा ॥ मंजु श्रीया ॥ ॥ उँ गद गद्य युगिय स्वादा ॥ गद्य युगिय ॥
उँ सर्वं वः आर्या व प्रावि रं स्व प्रा ऊँ रुद्र स्वादा ॥ प्राक व नया ॥
उँ ऊँ मं प्राक विजयादः प्रभाद्य या स युगिदम किं रुद्र रुद्र
स्वादा ॥ श्री मस्त स व नया ॥ उँ रुद्र कन्य स्वादा ॥ वस्तु धनया ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नाग ॥ नाम कलि किन वन नयनि ह वन नय काथा ग कनि वासु सि किन
 वन मनि ना २ नैया नम ह्यु न माप्य स सि ह ग कि वन ऊ ग ना था अ ह्य द ग
 ॥ ॥ पि क गि व दि पा न दे वं पु न मा मि वू रा म ना क ग व न दे वं २ सि द्वा जै गि
 व धू द ग य नि क र्म ना था ह व य गि वू दा म नि न न्दे द वां ॥ ना पि क र्म
 न वि का सि ग वा धि या न वा म क र्म न ध ना हा थ २ उ क्त स म न न ना ग क

सुकः दानिद्रः खरुयहनना ॥ ३ ॥ ॐ ॐ ॐ रगवगिकायाः रगवगि
नमामि श्रीवृगमललोके नन्दे वं २ नमामि श्रीनन्दे दैवः स्वर्ग
मध्ययागलद्वै ॥ ॥ द ॥ ह मी द्वा प्रि स ग न क न ध वा अ नू ल न व
ली गी ली ग र ध नि या श्री अ मी ग र वी स ल्थ ग र ध नि या श्री लो के व
न स न ना ग गि ॥ ग र ॥ नाम क लि ॥ ॐ न व ल ग न य नि ह व न श्री का
यू ग के नि वा स र्थि ॐ न व ल मू नि ना २ नै या ल म ह ल मा म्प स ॐ ह ग

कि न नै उ ग र ना थ अ र य दा गा ॥ ६ ॥ ॐ लि ऊ ग गि ग लि या ले अ व ग
न या नै दै व प्र ह म मी वृ ग म ल लो के न न्द वं २ सि धा ऊ गि व धू द ह य
नि क र्म ना या ह व य गि वृ दं म नि न न्द दै व ॥ २ ॥ न प्रि क म ल वि का
सि ग वी धि या न वा म क म ल द ल हा ॥ थ २ उ म स म न र ना ग कू ष्ट गः दा
नि द्रः खरुयहनना ॥ ३ ॥ ॐ ॐ ॐ रगवगिकायाः रगवगि नमामि
श्रीवृगमललोके नन्दे वं २ नमामि श्रीनन्दे दैवः स्वर्ग मध्यया

गालदेव॥ ४ ॥ द अ ह मि द पि स ग न क न ध ना अ नू ल न च न जि
ल ग ध नि या २ अ अ मि ना र व मि ल्य ग ग ध नि या अ ला कं ध न स न ना
ग मि ॥ ५ ॥ ना ग ॥ गु रु नि ॥ ३ लं गा र न स अ नि ग न नू ज्व रा २ ६ द
नी ल दू गि पि ग ल कं अ ॥ ६ ॥ उ ग न नू कं पा कि चा गु न द वि २ द दू मा
न वि दू वि ना स नि द वि ॥ २ ॥ न क न य नी पि नि नू द मा ला २ ख र्क
न गि क पा ल नि ला ल ना ॥ ३ ॥ व्या धु व म्म व स्रु प र्था लि ध २ ख

ध ल गो उ न स र्धा का ना ॥ ४ ॥ च न न स न न थि उं ग ना नू नी मा ना
२ र नी यि अ म ध व र्क गी न च नि ना ॥ ॥ ना ग ॥ ग्व अ गि ॥ वा म
प र्थ नः द हि न क न गि २ पा य ल ना पू न मू द मा ला वि रू पि ना ॥ ६ ॥
द वि ना व यि च क ऊ गि व ऊ ऊ गि नी २ पि नि नू द वि रू पि रू व
न य यि स्य ॥ २ ॥ का ल मृ त्क दू पि पा र ग न वी धि या २ ना ग दू ध मा
ह क न गि न रू दि ना ॥ ३ ॥ रू नू अ द वि वि रू व न ऊ न नि २

नागनिर्वक ॥ कमलविकासिगसिगिलाखलः कूमदपियवर्ह
 समदं हा २ चतुल वदन कुवनयदलय प्रनेप्रय कासिगा ॥ ॥
 नमामि २ श्री महा मरु श्री सकलगुन नायाः सुलगुन २ कमगिदह
 नस्यनवलपदसर्वह हाननिधियानिगा ॥ ॥ प्रथमकनइय
 वरुधधुधुनमूदा नालिंग हा नृजिगा २ द्विगियत्रू कूमधनह
 प्रियहानस्कंध चतुर्थख प्रसधधना ॥ ॥

क
 हानिलकायमचाक्र हियाहदू स्वयूसूमा
 सफुस्वयूडाहलहानिगुनी थुगवाचा निल
 य १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वत्र लागत धातु वीर रिव त अरवी न अधिस्ति
 तं ई १ ह २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

वृक्षसदीयासीनाम ॥ ३ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ४ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ५ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ६ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ७ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ८ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ९ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ १० ॥

स्वादापिमाचनयकाश्याः सात्रययाय ॥ ५ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ६ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ७ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ८ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ९ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ १० ॥

विज्ञानसूत्रयदानसकृन्निष्ठा
वीज्ञानसूत्रयदानसकृन्निष्ठा

आशा अर्जुन
ASHA ARCHIVES

2596

ॐ जींजींजीं श्रीं रूट् ॥ महाकालयामनुथ ॥
ॐ गगलयमयनसखादा गगलयगियामनुथ
ॐ धीवागिभ्रात्राय रूट् ॥ मरुभीयामनुथ
ॐ आलयालाकभ्रात्राय रूट् ॥ लाकभ्रात्रायामनुथ
ॐ श्रीवज्रदंष्ट्रक रूट् ॥ रूट् खादा चक्रसंखलया
ॐ रूट् खादाशाश्रिमभ्रालयामनुथ ॥ नासयिकायः दूधनथ ॥

थमनुयासयिकायः न्यासयलत्रयथ ॥ ॐ सर्ववृद्धजाः
किं नीवज्रवर्षुनियवज्रवेलाचनिय रूट् ॥ रूट् खादा
वज्रवानादियामनुयासयिकायः न्यासदूधनथम
नु ॥ ॥ ॐ वज्रचिन्मसमय रूट् ॥ वेगान्वनयामनुथ
ॐ आवज्रचिन्मसमय रूट् ॥ वलसरवयामनुथ
न्यासयिकायः दूधनथ ॥ ॥

ॐ जौवजत्रिगसमयकं अमिताभ्यामनुत्थः न्यास
 यिकायः दधनं थमनुत्थः ॐ जौवजत्रिगसमय
 कं अमायसिद्ध्यामनुत्थः न्यासयिकायः न्यासयलद
 धनं थ ॐ कवजत्रिगसमयकं अक्रायामनुत्थः
 थ न्यासययिकायः न्यासयलदधनं थ इना
 ॐ मदासादसुयमदनीवूकं ॥ सादसुयमदनीयाः मनुत्थः न्यासयी

ॐ नदधनं थ ॥

ॐ नमः सर्ववृद्धवाधिसत्त्वानां आः च दृष्टवली सादा
 र्धधर्मादा ॥ दृष्टवली ॥ मनुत्थः ॐ च नृनामत्रि
 सादा चामलयुगिष्ठा मनुत्थः ॐ आः वज्रध्वजवः
 गिज्यादलिसादा ध्वजहाय ॥ युगिष्ठा मनुत्थः
 ॐ आः वज्रकुरुवज्रयगाक अर्धिर्ध्विर्गिः सादा यगाय
 ॐ मधिवनिवजिधीमदायुगिभत्रकशमाकं कुरुसादा ॥ युगिष्ठा

नासाथमनुत्थः ॥

हाययुजायायमनुध

ॐ अ० (६) यचधुति

असुलगीलजाजीक॥धमनुभिलदयवलसःकसयन
सकसंयय ॥ सर्ववृद्धताकिनियःवजवर्ध

नियःवजवृथाचनीयकुरुदखादा ॥ विशाधप्रियाया
सयिकार्यन्यात्रयःधमनु॥ ॥ ॐ अ० ४ महामायूत्री

विशानाहीकुरुदखादा ॥ महामायूत्रीयामनुधःन्यासयिकार्यः

धमनु॥

ॐ श्री सादा ॥ रुवादा लयाः न्यासयिकार्यः न्यासयलत्रयमनु
ध ॥ इमासा ॥ ॥ ॐ अ० सादा ॥ वृकायानेनासायाः न्यास

यिकार्यसकगांयाधमनु॥ ॥ ॐ श्री गी कुरुद

॥ ॐ अ० वजकः

सादा ॥ धमनुवजासन अकोर्यया ॥

ॐ अ० ४ महाभिरवगीजीकुरुदखादा ॥ धमनुन्यासयिकार्यः दधमध

॥ भिरवगीया॥

ॐ यिह दवजायकैरुद ॥ दवजायामनुथ ॥ ॥
ॐ सर्वगथागकयागभ्यत्रकै ॥ थमनुःधर्मधनुवागि
सलयान्यासयिकायंथ ॥ ॥ ॐ मात्रीयैमां कैसाः
हा ॥ मात्रिवियाथमनुन्यासयिकायःन्यासदूधनथम
नु ॥ ॥ ॐ यिभदीयन्नभवत्रीसर्वमालियसमनि
ॐ श्रीःमहामंनानसादनीकैकैरुदसाहा ॥ थमनुन्याभत्रयःदूधनथ ॥

कैरुदसाहा ॥ थमनुयन्नभवलिया ॥
ॐ मूलयवधीसाहा ॥ थमनुमरुथीयाःन्यासयिकायः
न्यासदूधनयागथ ॥ ॥ ॐ यरुमहायुहभ्रमि
समिविजयधीःसाहा ॥ यहायालमिगायाथमनुन्यास
यिकाय ॥ ॥ ॐ कैंडी ॥ रुगवन्नहानमरुकिवागिभ्यत्रमहा
ॐ सर्वगथागकःमहायोग्यभ्यत्रकैकै ॥ ॐ यरुतयान्याभयिकायःदूधन
रुद

॥ ॐ श्रीः ॥

वाचसर्वधर्मगगमलयलिशुद्धधर्मधामतुह्यनगद्गुः॥धर्मधाम
 दुःखा॥ ॐ मदात्रागवजनागयसर्वसत्त्वान्दा॥धर्मधामतुव
 समनुत्थः धिप्रनयानिदधमनु॥ ॐ यीचुश्चुह्यवर्द्धनीका
 त्रमदावर्द्धनीधीत्रीवृद्धिवर्द्धनीसादा॥वज्रभलस्यनिसाधमनु
 न्याभयिकाययाग॥ ॐ कुत्रकल्लः॥काङ्कीः॥सादा॥कुक्राम
 उभीवजसत्त्वत्रनैरुह्यसादा॥वज्रधलस्यधमनुःन्याभयिकायः

सुधययासःन्यासयिकायःदधननडा॥ ॐ कुंसादाॐगु
 यूपमगादयसादा॥उष्णविजयामनुत्थःन्यासयिकायदधन
 धमनु॥ ॐ हवकावनीनमः॥सादा॥धमनुत्तुत्रयुयान्या
 सयिकायःदधनधमनु॥ १ ॥ ॐ कङ्कगयवभामडरीमभ
 नायनमः॥सादा॥धमत्रमनुहिमभनया॥ ॐ हव
 उङ्कींतींकींतींरुद्॥मदाकालयामनुत्थशल॥

द्माहं भूमीयनमस्तुदा ॥ यामिका न्यासयिका यः दधनश्च मनु
 जययाय ॥ २ ॥ उँ हं रुद्रको मायेनमस्तुदा ॥ यमनुमूलम
 न्यासयिका यः दधनश्च मनु ॥ ३ ॥ कमत्राणि ॥
 उँ हं रुद्रवैष्णवीयनमस्तुदा ॥ यमनुन्यामयिका यः दधनमस्तुदा ॥
 लूमधि ॥ ४ ॥ उँ हं रुद्रवात्राज्ञेनमस्तुदा ॥ यमूलमनुन्याम
 यिका यः दधनः स्तुव ॥ ५ ॥ उँ हं रुद्रः शान्तिनमस्तुदा ॥

थमनुन्याभयिकायः दूधनं ॥ यं च नदि ॥ ७ ॥ उं हं रुद्राः
 मल्लीयनमः ४ स्वाहा ॥ थमलमनुन्याभयिकायः दूधनं ॥ कं हं
 गया ॥ १ ॥ उं हं रुद्रमहालक्ष्मीयनमः ४ स्वाहा ॥ थमनुम
 तमनुन्याभयिकायः दूधनं ॥ लूमि ॥ ८ ॥ उं हं रुद्रगत्याना
 सः ४ रुद्र स्वाहा ॥ श्रीरिमस्यनयामलमनुथः न्याभयिकाय
 दूधनं ॥ ॥ उं क्लीं रुद्र स्वाहा ॥ दूर्यमिश्रयाथमलमनुः

न्यासयिकायः दूधनं ॥ ॥ ॐ कदा कदा गत्यानाम कदा हि
नवी कदा (गुप्य व स दा ॥ न्यास ल नृय ॥ ॥ ॐ सर्वं कथाग
नः सदा आ (गम्य ल कं रुट् ॥ भाल स ॥ ॐ वां क दं नम स्या दा ॥ नरु
स ॥ ॐ आ कं स्या दा ॥ नृगल स ॥ द व अ व गाल सा वि क थ न स कृ थ ॥
ॐ आव कं स्या दा ॥ न्यासयिकायः न्यास दूधनं ॥ द वा अ व मा त्र या ॥
ॐ व क ध र्म ॥ ॐ ॥ ह न्ना ह नृ ल क स न या न्यासयिकायः दूधनं थ
मन्तु ॥

ॐ गा प्र गु गा प्र स्या दा ॥ न्यासयिकायः न्यास नृयं थः नात्रा यामन्तु
॥ ॐ वा गि अ न म् ॥ मं श भी या म् न मन्तु ॥
ॐ ॐ सर्व वृद्ध ता कि नी य कं कं रुट् ॥ थ मन्तुः वि ज्ञा ध त्रिया
ॐ व क ध कं कं रुट् ॥ य द्रा द अ यो म् न मन्तु ॥
ॐ धा न च नृ कं रुट् ॥ य चि त्रि र्ग न व या मन्तु
ॐ कं ॥ अ क्ता य रुट् ॥ मदा य व मन्तुः अ कि र्छ यीः अ

ॐ स्वस्ति स्वाहा ॥ कृमान्द उया मकु
ॐ सिंहास्याय सिंरु ॥ सिंघ्या
ॐ नमः सिद्धिनाथाय गायकैरुद्र स्वाहा ॥ नार्क अत्र या मकु
ॐ श्री ॐ अकचठगयय ॐ रुद्र स्वाहा ॥ रगवकिया ॥ न्यासयिका
ॐ चंद्रमहा प्राड्वन ॥ आगच्छ १ प्रमकसः सववधय १ मसाधा ॥
य १ रुद्र ॥ धमकु सवसाधनयाय मकु ध

कीवजवागदीहन १ धनमकिदवस्याः सर्वदृष्टान् निर्गदः
वधनः भावने कुरु १ रुद्र ॥ धमकु वजविनासिनियाः ६३
कया गउया चलायगु मकु
ॐ श्रीमसिद्धि रुद्र स्वाहा ॥ आर्गवत्रया मकु ध न्यासयिका यी
नधमगया विजधनः ॥ ॐ वजसवक ॥ नृगप्रस ॥ ॐ वजत्रक ॥
कयानस ॥ ॐ वजधर्मदी ॥ कथूस ॥ ॐ वजदकुमी ॥ ज्ञासस ॥ ॐ व

गोविंदाय नमः

मः १ धमकु ॥

॥ धमकु ॥

अशाषत्र॥ कुरु॥ उवज दीयदी॥ मिषा नियास॥ उवज तन ग्रं
यात्रि नियासी॥ उवज कर्म जू॥ यालि नियास॥ उ॥ कयात्रस॥ जू
नूगत्रस॥ हं॥ नरुस॥ धूमि गथा गमयाग॥ विजथन वनना के याग॥ न
थन॥ लाके सत्रया॥ जूगन्यास॥ उ॥ जयाय हं॥ मित्रमि॥ उ॥ विजयाय
हं॥ क॥ ६०॥ उ॥ हं जय विजयाय हं॥ हृदी॥ उ॥ हं वनदाय हं॥ नारु॥ उ॥
हं॥ जूरययदाय हं॥ याददय॥ उ॥ मं॥ जय हं॥ मित्रमि॥ उ॥ मित्रमि गं॥

हं॥ मित्रमि॥ उ॥ वजया॥ हं॥ मित्रमि॥ उ॥ जयगं॥ हं॥ मित्रमि॥ उ॥
लाके सत्रया॥ मित्रमि॥ मं॥ धाउव हं॥ हृदय॥ उ॥ सर्वनिवत्र विज
रिहं॥ मित्रमि॥ उ॥ समकुरु हं॥ सवाके य॥ उ॥ जिगाय हं॥ मि
ववाहो॥ उ॥ जू जिगाय हं॥ वामवाहो॥ उ॥ मानसं न्ययुर्मदनाय हं॥
मं॥ उ॥ जू कालमय प्रसमनाय हं॥ हृदय॥ उ॥ धनदाय हं॥
सवाहो॥ उ॥ वसुधनाय हं॥ वामवाहो॥ उ॥ जू मिताय हं॥ य॥